अनौपचारिक क्षेत्र की गतिविधियों को शामिल करने से भारत में राष्ट्रीय आय के सटीक मापन में किस तरह की चुनौतियाँ आती हैं? ऐसे अनुमानों की विश्वसनीयता में सुधार के उपाय सुझाएँ। अनौपचारिक क्षेत्र, जिसे असंगठित असंगठित क्षेत्र के रूप में भी जाना जाता है, में वे सभी आर्थिक गतिविधियाँ शामिल हैं जो सरकार द्वारा विनियमित विनियमित नहीं हैं और जिन पर अक्सर कर नहीं लगाया जाता है। ये गतिविधियाँ भारत में राष्ट्रीय आय को सटीक सटीक रूप से मापने में महत्वपूर्ण चुनौतियाँ पेश करती हैं। यहाँ कुछ प्रमुख चुनौतियाँ दी गई हैं: 1. औपचारिक रिकॉर्ड का अभाव: अनौपचारिक क्षेत्र की गतिविधियों में अक्सर औपचारिक दस्तावेज़ीकरण का अभाव होता है, जिससे उनके आर्थिक योगदान को ट्रैक करना और रिकॉर्ड करना मुश्किल हो जाता है। 2. विविध और बिखरी हुई गतिविधियाँ: अनौपचारिक क्षेत्र में शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में फैली हुई स्ट्रीट वेंडिंग से लेकर छोटे पैमाने पर पर विनिर्माण तक की कई गतिविधियाँ शामिल हैं। यह विविधता और भौगोलिक फैलाव डेटा संग्रह को जटिल बनाता बनाता है। 3. कम रिपोर्टिंग और चोरी: अनौपचारिक क्षेत्र के कई प्रतिभागी अपनी आय को कम रिपोर्ट करते हैं या या करों की चोरी करते हैं, जिससे गलत आय अनुमान लगते हैं। 4. मौसमी और अनियमित रोजगार: अनौपचारिक क्षेत्र की गतिविधियाँ अक्सर मौसमी और अनियमित होती हैं, जिससे सुसंगत और विश्वसनीय डेटा प्राप्त करना चुनौतीपूर्ण हो जाता है। 5. विखंडन और मानकीकरण का अभाव: अनौपचारिक क्षेत्र अत्यधिक विखंडित है, जिसमें जिसमें कोई मानक परिभाषा या वर्गीकरण नहीं है, जिससे डेटा संग्रह और रिपोर्टिंग में असंगतता होती है। अनौपचारिक क्षेत्र की गतिविधियों को शामिल करने वाले राष्ट्रीय आय अनुमानों की विश्वसनीयता में सुधार करने के करने के लिए, निम्नलिखित उपाय किए जा सकते हैं: 1. उन्नत सर्वेक्षण और डेटा संग्रह: श्रम बल सर्वेक्षण और घरेलू और घरेलू आय और व्यय सर्वेक्षण जैसे व्यापक और लगातार सर्वेक्षण आयोजित करने से अनौपचारिक क्षेत्र की की गतिविधियों को अधिक सटीक रूप से पकड़ने में मदद मिल सकती है। 2. प्रौद्योगिकी का उपयोग: डेटा संग्रह और और रिपोर्टिंग के लिए मोबाइल ऐप और ऑनलाइन प्लेटफ़ॉर्म जैसे डिजिटल टूल और तकनीक का लाभ उठाने से सटीकता और दक्षता में सुधार हो सकता है। 3. स्थानीय अधिकारियों के साथ सहयोग: स्थानीय अधिकारियों और सामुदायिक संगठनों के साथ जुड़ने से अनौपचारिक क्षेत्र की गतिविधियों को अधिक प्रभावी ढंग से पहचानने और उनका दस्तावेजीकरण करने में मदद मिल सकती है। 4. प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण: डेटा संग्रहकर्ताओं और सांख्यिकीविदों के लिए प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण प्रदान करने से अनौपचारिक क्षेत्र से एकत्र किए गए डेटा की डेटा की गुणवत्ता में सुधार हो सकता है। 5. अंतर्राष्ट्रीय मानकों को अपनाना: अनौपचारिक क्षेत्र की गतिविधियों को गतिविधियों को मापने के लिए अंतर्राष्ट्रीय मानकों और पद्धतियों को अपनाने से डेटा की स्थिरता और तुलनीयता बढ़ तुलनीयता बढ़ सकती है। 6. औपचारिकता को प्रोत्साहित करना: अनौपचारिक क्षेत्र के प्रतिभागियों को आसान पंजीकरण प्रक्रिया, ऋण तक पहुँच और सामाजिक सुरक्षा लाभ जैसे प्रोत्साहनों के माध्यम से अपने संचालन को को औपचारिक बनाने के लिए प्रोत्साहित करना दस्तावेज़ीकरण और रिपोर्टिंग में सुधार कर सकता है। इन चुनौतियों चुनौतियों का समाधान करके और इन उपायों को लागू करके, भारत में राष्ट्रीय आय अनुमानों की सटीकता और विश्वसनीयता में काफी सुधार किया जा सकता है। वित्तीय संस्थानों के लिए अल्पकालिक तरलता सुनिश्चित करने में करने में मुद्रा बाजारों की भूमिका का मूल्यांकन करें। वे अपने उद्देश्यों और साधनों में पूंजी बाजारों से कैसे भिन्न हैं? हैं? अनौपचारिक क्षेत्र, जिसे असंगठित क्षेत्र के रूप में भी जाना जाता है, में वे सभी आर्थिक गतिविधियाँ शामिल हैं शामिल हैं जो सरकार द्वारा विनियमित नहीं हैं और जिन पर अक्सर कर नहीं लगाया जाता है। ये गतिविधियाँ भारत भारत में राष्ट्रीय आय को सटीक रूप से मापने में महत्वपूर्ण चुनौतियाँ पेश करती हैं। यहाँ कुछ प्रमुख चुनौतियाँ हैं: 1. हैं: 1. औपचारिक रिकॉर्ड की कमी: अनौपचारिक क्षेत्र की गतिविधियों में अक्सर औपचारिक दस्तावेज़ीकरण की कमी कमी होती है, जिससे उनके आर्थिक योगदान को ट्रैक करना और रिकॉर्ड करना मुश्किल हो जाता है। 2. विविध और और बिखरी हुई गतिविधियाँ: अनौपचारिक क्षेत्र में शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में फैली हुई स्ट्रीट वेंडिंग से लेकर छोटे लेकर छोटे पैमाने पर विनिर्माण तक की एक विस्तृत श्रृंखला शामिल है। यह विविधता और भौगोलिक फैलाव डेटा डेटा संग्रह को जटिल बनाता है। 3. कम रिपोर्टिंग और कर चोरी: अनौपचारिक क्षेत्र के कई प्रतिभागी अपनी आय कम आय कम बताते हैं या कर चोरी करते हैं, जिससे आय का गलत अनुमान लगाया जाता है।

4. मौसमी और अनियमित रोजगार: अनौपचारिक क्षेत्र की गतिविधियाँ अक्सर मौसमी और अनियमित होती हैं, जिससे सुसंगत और विश्वसनीय डेटा प्राप्त करना चुनौतीपूर्ण हो जाता है।

5. विखंडन और मानकीकरण की कमी: अनौपचारिक क्षेत्र अत्यधिक विखंडित है, जिसमें कोई मानक परिभाषा या वर्गीकरण नहीं है, जिससे डेटा संग्रह और रिपोर्टिंग में असंगतता होती है।

अनौपचारिक क्षेत्र की गतिविधियों को शामिल करने वाले राष्ट्रीय आय अनुमानों की विश्वसनीयता में सुधार करने के करने के लिए, निम्नलिखित उपाय किए जा सकते हैं:

1. उन्नत सर्वेक्षण और डेटा संग्रह: श्रम बल सर्वेक्षण और घरेलू आय और व्यय सर्वेक्षण जैसे व्यापक और लगातार लगातार सर्वेक्षण आयोजित करने से अनौपचारिक क्षेत्र की गतिविधियों को अधिक सटीक रूप से पकड़ने में मदद मदद मिल सकती है।

2. प्रौद्योगिकी का उपयोग: डेटा संग्रह और रिपोर्टिंग के लिए मोबाइल ऐप और ऑनलाइन प्लेटफ़ॉर्म जैसे डिजिटल डिजिटल टूल और प्रौद्योगिकी का लाभ उठाने से सटीकता और दक्षता में सुधार हो सकता है।

3. स्थानीय अधिकारियों के साथ सहयोग: स्थानीय अधिकारियों और सामुदायिक संगठनों के साथ जुड़ने से अनौपचारिक क्षेत्र की गतिविधियों को अधिक प्रभावी ढंग से पहचानने और उनका दस्तावेजीकरण करने में मदद मिल सकती है।

4. प्रशिक्षण एवं क्षमता निर्माण: प्रावधान डेटा संग्रहकर्ताओं और सांख्यिकीविदों के लिए प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण क्षमता निर्माण अनौपचारिक क्षेत्र से एकत्र किए गए डेटा की गुणवत्ता में सुधार कर सकता है।

5. अंतर्राष्ट्रीय मानकों को अपनाना: अनौपचारिक क्षेत्र की गतिविधियों को मापने के लिए अंतर्राष्ट्रीय मानकों और मानकों और पद्धतियों को अपनाने से डेटा की स्थिरता और तुलनीयता बढ़ सकती है।

6. औपचारिकता को प्रोत्साहित करना: अनौपचारिक क्षेत्र के प्रतिभागियों को आसान पंजीकरण प्रक्रिया, ऋण तक ऋण तक पहुंच और सामाजिक सुरक्षा लाभ जैसे प्रोत्साहनों के माध्यम से अपने कार्यों को औपचारिक बनाने के लिए लिए प्रोत्साहित करने से दस्तावेज़ीकरण और रिपोर्टिंग में सुधार हो सकता है।

इन चुनौतियों का समाधान करके और इन उपायों को लागू करके, भारत में राष्ट्रीय आय अनुमानों की सटीकता और और विश्वसनीयता में काफी सुधार किया जा सकता है।